# Table of Contents for Mahabharata

## महाभारत अनुक्रमणिका[1]

### ॥ १ ॥ आदिपर्व अध्यायाः १-२२५


| | | |
|---|---|---|
| १ | अनुक्रमणीपर्व | १ |
| २ | पर्वसंग्रहपर्व | २ |
| ३ | पौष्यपर्व | ३ |
| ४ | पौलोमपर्व | ४-१२ |
| ५ | आस्तीकपर्व | १३-५३ |
| ६ | आदिवंशावतरणपर्व | ५४-६१ |
| ७ | संभवपर्व | ६२-१२३ |
| | शंकुतलोपाख्यानम् | ६२-६९ |
| | ययात्युपाख्यानम् | ७०-८० |
| | उत्तरयायातम् | ८१-८८ |
| | संभवपर्व | ८९-१२३ |
| ८ | जतुगृहदाहपर्व | १२४-१३८ |
| ९ | हिडिम्बवधपर्व | १३९-१४२ |
| १० | बकवधपर्व | १४३-१५२ |
| ११ | चैत्ररथपर्व | १५३-१७३ |
| | तापस्योपाख्यानम् | १६०-१६३ |
| | वासिष्ठोपाख्यानम् | १६४-१६८ |
| | और्वोपाख्यानम् | १६९-१७३ |
| १२ | द्रौपदीस्वयंवरपर्व | १७४-१८९ |
| | पञ्चेन्द्रोपाख्यानम् | १८९ |
| १३ | वैवाहिकपर्व | १९०-१९१ |
| १४ | विदुरागमनपर्व | १९२-१९८ |
| १५ | राज्यालम्भपर्व | १९९ |
| १६ | अर्जुनवनवासपर्व | २००-२१० |
| | सुन्दोपसुन्दोपाख्यानम् | २०१-२०४ |
| १७ | सुभद्राहरणपर्व | २११-२१२ |
| १८ | हरणहारिकपर्व | २१३ |
| १९ | खाण्डवदाहपर्व | २१४-२२५ |
| | शार्ङ्गकोपाख्यानम् | २२०-२२५ |


### ॥ २ ॥ सभापर्व अध्यायाः १-७२


| | | |
|---|---|---|
| २० | सभापर्व | १-११ |
| २१ | मन्त्रपर्व | १२-१७ |
| २२ | जरासंधपर्व | १८-२२ |
| २३ | दिग्विजयपर्व | २३-२९ |
| २४ | राजसूयपर्व | ३०-३२ |
| २५ | अर्घाभिहरणपर्व | ३३-३६ |
| २६ | शिशुपालवधपर्व | ३७-४२ |
| २७ | द्यूतपर्व | ४३-६५ |
| २८ | अनुद्यूतपर्व | ६६-७२ |


### ॥ ३ ॥ आरण्यकपर्व अध्यायाः १-२९९


| | | |
|---|---|---|
| २९ | आरण्यकपर्व | १-११ |
| ३० | किर्मीरवधपर्व | १२ |
| ३१ | कैरातपर्व | १३-४२ |
| | सौभवधोपाख्यानम् | १५-२३ |
| ३२ | इन्द्रलोकाभिगमनपर्व | ४३-७९ |
| | नलोपाख्यानम् | ५०-७८ |
| ३३ | तीर्थयात्रापर्व | ८०-१५३ |
| | अगस्त्योपाख्यानम् | ९३-१०९ |
| | ऋश्यशृङ्गोपाख्यानम् | ११०-११३ |
| | कार्तवीर्योपाख्यानम् | ११५-११७ |
| | सुकन्योपाख्यानम् | १२२-१२५ |
| | मान्धात्रुपाख्यानम् | १२६-१२७ |
| | जन्तूपाख्यानम् | १२८ |
| | श्येनकपोतीयम् | १२९-१३१ |
| | अष्टावक्रीयम् | १३२-१३४ |
| | यवक्रीतोपाख्यानम् | १३५-१४० |
| | सौगन्धिकाहरणम् | १४६-१५३ |
| ३४ | जटासुरबधपर्व | १५४ |
| ३५ | यक्षयुद्धपर्व | १५५-१७२ |
| ३६ | आजगरपर्व | १७३-१७८ |
| ३७ | मार्कण्डेयसमास्यापर्व | १७९-२२१ |
| | मत्स्योपाख्यानम् | १८५ |
| | मण्डूकोपाख्यानम् | १९० |
| | इन्द्रद्युम्नोपाख्यानम् | १९१ |
| | धुन्धुमारोपाख्यानम् | १९२-१९५ |
| | पतिव्रतोपाख्यानम् | १९६-१९७ |
| | ब्राह्मणव्याधसंवादः | १९८-२०६ |
| | आङ्गिरसम् | २०७-२२१ |
| ३८ | द्रौपदिसत्यभामासंवादपर्व | २२२-२२४ |
| ३९ | घोषयात्रापर्व | २२५-२४३ |
| ४० | मृगस्वप्नभयपर्व | २४४ |
| ४१ | व्रीहिद्रौणिकपर्व | २४५-२४७ |
| ४२ | द्रौपदीहरणपर्व | २४८-२८३ |
| | रामोपाख्यानम् | २५८-२७६ |
| | सावित्र्युपाख्यानम् | २७७-२८३ |
| ४३ | कुण्डलाहरणपर्व | २८४-२९४ |
| ४४ | आरणेयपर्व | २९५-२९९ |
| | यक्षप्रश्नाः | २९७-२९८ |


### ॥ ४ ॥ विराटपर्व अध्यायाः १-६७


| | | |
|---|---|---|
| ४५ | वैराटपर्व | १-१२ |
| ४६ | कीचकवधपर्व | १३-२३ |
| ४७ | गोग्रहणपर्व | २४-६२ |
| ४८ | वैवाहिकपर्व | ६३-६७ |


### ॥ ५ ॥ उद्योगपर्व अध्यायाः १-१९७

[1] Send corrections to Avinash Sathaye sohum@ms.uky.edu

| | | |
|---|---|---|
| ४९ | उद्योगपर्व | १-२१ |
| | इन्द्रविजयोपाख्यानम् | ९-१८ |
| ५० | संजययानपर्व | २२-३२ |
| ५१ | प्रजागरपर्व | ३३-४१ |
| ५२ | सनत्सुजातपर्व | ४२-४५ |
| ५३ | यानसंधिपर्व | ४६-६९ |
| ५४ | भगवद्यानपर्व | ७०-१३७ |
| | गालवचरितम् | १०४-१२१ |
| | विदुरापुत्रानुशासनम् | १३१-१३४ |
| ५५ | कर्णोपनिवादपर्व | १३८-१४८ |
| ५६ | अभिनिर्याणपर्व | १४५-१५२ |
| ५७ | भीष्माभिषेचनपर्व | १५३-१५६ |
| ५८ | उलूकयानपर्व | १५७-१६० |
| ५९ | रथातिरथसंख्यानपर्व | १६१-१६९ |
| ६० | अम्बोपाख्यानपर्व | १७०-१९७ |


## ॥ ६ ॥ भीष्मपर्व अध्यायाः १-११७


| | | |
|---|---|---|
| ६१ | जम्बूखण्डविनिर्माणपर्व | १-११ |
| ६२ | भूमिपर्व | १२- १३ |
| ६३ | भगवद्गीतापर्व | १४- ४० |
| ६४ | भीष्मवधपर्व | ४१- ११७ |
| | प्रथमयुद्धदिवसः | ४१-४५ |
| | द्वितीययुद्धदिवसः | ४६-५१ |
| | तृतीययुद्धदिवसः | ५२-५५ |
| | चतुर्थयुद्धदिवसः | ५६-५७ |
| | पञ्चमयुद्धदिवसः | ५८-७० |
| | षष्ठयुद्धदिवसः | ७१-७५ |
| | सप्तमयुद्धदिवसः | ७६-८२ |
| | अष्टमयुद्धदिवसः | ८३-९२ |
| | नवमयुद्धदिवसः | ९३-१०२ |
| | दशमयुद्धदिवसः | १०३-११७ |


## ॥ ७ ॥ द्रोणपर्व अध्यायाः १-१७३


| | | |
|---|---|---|
| ६५ | द्रोणाभिषेकपर्व | १- १५ |
| ६६ | संशप्तकवधपर्व | १६- ३१ |
| ६७ | अभिमन्युवधपर्व | ३२- ५१ |
| ६८ | प्रतिज्ञापर्व | ५२- ६० |
| ६९ | जयद्रथवधपर्व | ६१- १२१ |
| ७० | घटोत्कचवधपर्व | १२२- १५४ |
| ७१ | द्रोणवधपर्व | १५५- १६५ |
| ७२ | नारायणास्त्रमोक्षपर्व | १६६- १७३ |


## ॥ ८ ॥ कर्णपर्व अध्यायाः १-६९


| | | |
|---|---|---|
| ७३ | कर्णवधपर्व | १- ६९ |
| | धृतराष्ट्रसंजयसंवादः | १- २ |
| | धृतराष्ट्रशोकः | ३ |
| | संजयवचनम् | ५ |
| | धृतराष्ट्रजल्पनम् | ५ |
| | कर्णाभिषेकः | ६? |
| | षोडशयुद्धदिवसः | ७-२१ |
| | सप्तदशयुद्धदिवसः | २२-६७ |
| | शल्यसारथ्याभ्युपगमः | २३ |
| | त्रिपुरवधोपाख्यानम् | २४ |
| | मद्रककुत्सनम् | २७ |
| | हंसकाकीयोपाख्यानम् | २८ |
| | बाल्हीकमद्रककुत्सनम् | ३० |
| | युधिष्ठिरार्जुनयोः विवादः | ४८-५० |
| | कृष्णकृतम् सांत्वनम् | ४८-५० |
| | दुःशासनवधः | ६०-६१ |
| | कर्णार्जुनयुद्धम् | ६३-६६ |
| | कर्णवधः | ६७ |
| | रणभूमिवर्णनम् | ६८ |
| | युधिष्ठिरानन्दः | ६९ |


## ॥ ९ ॥ शल्यपर्व अध्यायाः १-६४


| | | |
|---|---|---|
| ७४ | शल्यवधपर्व | १- १६ |
| ७५ | ह्रदप्रवेशपर्व | १७- २८ |
| ७६ | तीर्थयात्रापर्व | २९- ५३ |
| | त्रितोपाख्यानम् | ३५ |
| | स्कन्दाभिषेकः | ४३-४५ |
| | सुचावत्युपाख्यानम् | ४७ |
| | जैगीषव्योपाख्यानम् | ४९ |
| | वृद्धकन्योपाख्यानम् | ५१ |
| ७७ | गदायुद्धपर्व | ५४- ६४ |
| | दुर्योधनोरुभङ्गः | ५७ |
| | बलदेववासुदेवसंवादः | ५९ |
| | द्रौणिसेनापत्याभिषेकः | ६४ |


## ॥ १० ॥ सौप्तिकपर्व अध्यायाः १-१८


| | | |
|---|---|---|
| ७८ | सौप्तिकपर्व | १- ९ |
| | कौशिकदर्शनम् | १ |
| | शिवस्तुतिः | ७ |
| ७९ | ऐषीकपर्व | १०- १८ |
| | द्रौपदीपरिदेवितम् | ११ |
| | ऐषीकोत्सर्गः | १३-१५ |
| | द्रौपदीप्रसादः | १६ |
| | रुद्रमाहात्म्यम् | १७-१८ |


## ॥ ११ ॥ स्त्रीपर्व अध्यायाः १-२७


| | | |
|---|---|---|
| ८० | विशोकपर्व | १- ८ |
| ८१ | स्त्रीपर्व | ९- २५ |
| | अयोभीमभञ्जनम् | ११ |
| | उत्तराविलापः | २० |
| ८२ | श्राद्धपर्व | २६ |
| ८३ | जलप्रदानिकपर्व | २७ |

## ॥ १२ ॥ शान्तिपर्व अध्यायाः १-३५३


८४ राजधर्मपर्व १- १२८
ऋषिशकुनिसंवादः ११
जनकोपाख्यानम् १८
देवस्थानवाक्यम् २०-२१
शङ्खलिखितोपाख्यानम् २४
हयग्रीवोपाख्यानम् २५
सेनजिद् वाक्यम् २६
अश्मजनकसंवादः २८
षोडशराजकीयोपाख्यानम् २९
सुवर्णष्ठीव्युपाख्यानम् ३१
चार्वाकचरितकथनम् ३९
कृष्णनामशतस्तुतिः ४३
भीष्मस्तवराजः ४७
जामदग्न्योपाख्यानम् ४९
इन्द्रमान्धातृसंवादः ६४-६५
मनुराजकरणोपन्यासः ६७
बृहस्पतिकौसल्यसंवादः ६८
पुरुरवःपवनसंवादः ७३
ऐलकश्यपसंवादः ७४
मुचकुन्दोपाख्यानम् ७५
केकयराजराक्षससंवादः ७८
वासुदेवनारदसंवादः ८२
कालकवृक्षीयोपाख्यानम् ८३
शक्रबृहस्पतिसंवादः ८५
उतथ्यगीता ९१-९२
वामदेवगीता ९३-९५
इन्द्राम्बरीषसंवादः ९९
इन्द्रबृहस्पतिसंवादः १०४
कालकवृक्षीयम् १०५-१०७
व्याघ्रगोमायुसंवादः ११२
उष्ट्रशिरोग्रीवकथनम् ११३
सरित्सागरसंवादः ११४
स्वर्षिसंवादः ११७-११९
वसुहोममान्धातृसंवादः १२२
कामन्दाङ्गारिष्टसंवादः १२३
ऋषभसुमित्रसंवादः १२५-१२६
यमगौतमसंवादः १२७
८५ आपद्धर्मपर्व १२९- १६७
कापव्यानुशासनम् १३३
शकुलाख्यानम् १३५
मार्जारमूषकसंवादः १३६
ब्रह्मदत्तपूजनीसंवादः १३७
क्वणिक्वशव्रुंतपसंवादः १३८
विश्वामित्रश्वपचसंवादः १३९
कपोतलुब्धकसंवादः १४१-१४५
इन्द्रोतशौनकपारिक्षितीयम् १४६-१४८
गृध्रजम्बुकसंवादः १४९
शल्मलिपवनसंवादः १५०-१५१
खड्गोत्पत्तिः १६०
कृतघ्नगौतमोपाख्यानम् १६२-१६७

८६ मोक्षधर्मपर्व १६८- ३५३
सेनजित्पिङ्गलागीते १६८
पितापुत्रसंवादः १६९
शम्याकगीता १७०
मङ्किगीता १७१
प्रह्लादाजगरसंवादः १७२
कश्यपसृगालसंवादः १७३
भृगुभरद्वाजसंवादः १७५-१८५
अध्यात्मकथनम् १८७
ध्यानयोगः १८८
जापकोपाख्यानम् १८९-१९३
मनुबृहस्पतिसंवादः १९४-१९९
केशवमाहात्म्यम् २००
दिक्पालकीर्तनम् २०१
विष्णोः वराहरूपम् २०२
गुरुशिष्यसंवादः (वार्ष्णेयाध्यात्मं) २०३-२१०
जनकपञ्चशिखसंवादः २११-२१२
इन्द्रप्रह्लादसंवादः २१५
बलिवासवसंवादः २१६-२१८
शक्रनमुचिसंवादः २१९
बलिवासवसंवादः २२०
श्रीवासवसंवादः २२१
जैगीषव्यासितसंवादः २२२
वासुदेवोग्रसेनसंवादः २२३
शुकानुप्रश्नः २२४-२४७
(अविकम्पनारदसंवादे) मृत्यूत्पत्तिः २४८-२५०
तुलाधारजाजलिसंवादः २५३-२५६
विचख्नुगीता २५७
चिरकारिकोपाख्यानम् २५८
सत्यवद् द्युमत्सेनसंवादः २५९
कपिलगोसंवादः २६०-२६२
कुण्डधारोपाख्यानम् २६३
उञ्छवृत्तेः पुरावृत्तम् २६४
नारददेवलसंवादः २६७
माण्डव्यजनकसंवादः २६८
हारीतगीता २६९
वृत्रगीता २७०-२७१
वृत्रवधः २७२-२७३
ज्वरोत्पत्तिः २७४
नारदसमङ्गसंवादः २७५
नारदगालवसंवादः २७६
अरिष्टनेमिसगरसंवादः २७७

काव्योपाख्यानम् २७८
पराशरगीता २७९-२८७
हंससाध्यसंवादः २८८
योगकथनम् २८९
सांख्यवर्णनम् २९०
वसिष्ठकरालजनकसंवादः २९१-२९६
भृगुजनकसंवादः २९७
याज्ञवल्क्यजनकसंवादः २९८-३०६
पञ्चशिखजनकसंवादः ३०७
सुलभाजनकसंवादः ३०८
यावकाध्यायः (द्वैपायनशुकसंवादः) ३०९
शुकचरितम् ३१०-३२०
नरनारायणीयम् ३२१-३३९
महापुरुषस्तवः ३२५
भगवन्नामनिर्वचनम् ३२८
ब्राह्मणमाहात्म्यमग्निषोमीयात्मकम् ३२९
भगवन्नामनिर्वचनम् ३३०
उञ्छवृत्युपाख्यानम् ३४०-३५३

## ॥ १३ ॥ अनुशासनपर्व अध्यायाः १-१५४

८७ दानधर्मपर्व १- १५२
मृत्युगौतम्यादिसंवादः १
सुदर्शनोपाख्यानम् २
विश्वामित्रोपाख्यानम् ३-४
शुक्रवासवसंवादः ५
दैवपुरुषकारबलाबलम् ६
कर्मफलवर्णनम् ७
पूज्यवर्णनम् ८
सृगालवानरसंवादः ९
नीचस्योपदेशनिषेधः १०
श्रियो निवासस्थानानि ११
भङ्गाश्वनोपाख्यानम् १२
शुभाशुभकर्मफलम् १३
उपमन्यूपाख्यानम् १४-१७
शिवस्तवः १४
शिवसहस्रनाम १७
शिवस्तुतिमाहात्म्यम् १८
अष्टावक्रदिक्संवादः १९-२२
पात्रपरीक्षा २३
दैवपित्र्यदानफलम् २४
ब्रह्मघातिस्वरूपम् २५
तीर्थप्रशंसा २६
गङ्गाप्रशंसनम् २७
मतङ्गोपाख्यानम् २८
इन्द्रमतङ्गसंवादः २९-३०
वीतहव्योपाख्यानम् ३१
पूज्यपुरुषवर्णनम् ३२
ब्राह्मणप्रशंसा ३३-३६
पृथिवीवासुदेवसंवादः ३४
पात्रपरीक्षा ३७
स्त्रीस्वभावकथनम् ३८-३९
विपुलोपाख्यानम् ४०-४३
विवाहधर्माः ४४-४६
रिक्थविभागः ४७
वर्णसंकरः ४८
पुत्रप्रणिधिः ४९
च्यवनोपाख्यानम् ५०
च्यवननहुषसंवादः ५१
च्यवनकुशिकसंवादः ५२-५६
यमनियमफलानि ५७
ब्राह्मणप्रशंसा ५८
अतिथियज्ञः ५९
क्षत्रियधर्माः ६०
भूमिदानप्रशंसा ६१
अन्नदानप्रशंसा ६२
नक्षत्रयोगदानम् ६३
काञ्चनादिदानम् ६४
तिलादिदानफलम् ६५
पानीयदानफलम् ६६
तिलादिदानप्रशंसा ६७
गोदानफलम् ६८
नृगोपाख्यानम् ६९
नाचिकेतोपाख्यानम् ७०
गोप्रदानिकम् ७१-७३
व्रतनियमफलम् ७४
गोप्रदानिकम् ७५-८०
श्रीगोसंवादः ८१
गोलोकप्रश्नः ८२
सुवर्णोत्पत्तिः ८३-८५
कार्त्तिकेयोत्पत्तिः ८४
तारकवधः ८६
श्राद्धकल्पः ८७-९२
व्रतविशेषाः ९३
प्रतिग्रहदोषाः ९४
शपथाध्यायः ९५-९६
छत्रोपानहोत्पत्तिः ९७
छत्रोपानहदानम् ९८
आरामादिनिर्माणम् ९९
बलिप्रदानम् १००
दीपादिदानम् १०१
पुष्पादिदानफलम् १०२

दीपादिदानफलम् १०३
ब्रह्मस्वहरणम् १०४
हस्तिकूटम् १०५
अनशनमाहात्म्यम् १०६
आयुष्याख्यानम् १०७
ज्येष्ठकनिष्ठवृत्तिः १०८
उपवासविधिः १०९
उपवासफलम् ११०
शौचानुपृच्छा १११
संसारचक्रम् ११२-११४
अहिंसाफलम् ११५-११७
कीटोपाख्यानम् ११८-१२०
मैत्रेयभिक्षा १२१-१२३
शाण्डिलीसुमनासंवादः १२४
सान्त्वप्रशंसा १२५
उमामहेश्वरसंवादः १२६-१३४
विष्णुसहस्रनाम १३५
ब्राह्मणप्रशंसा १३६
पवनार्जुनसंवादः १३७-१४२
कृष्णमाहात्म्यम् १४३
दुर्वासोमाहात्म्यम् १४४
ईश्वरप्रशंसा १४५-१४६
धर्मनिर्णयः १४७-१४८
युधिष्ठिरप्रश्नः १४९
धर्मसंशयः १५०
वंशानुकीर्तनम् १५१
युधिष्ठिरप्रतिप्रयाणम् १५२
८८ भीष्मस्वर्गारोहणपर्व १५३- १५४
भीष्मस्वर्गानुज्ञा १५३
भीष्मस्वर्गगमनम् १५४


## ॥ १४ ॥ आश्वमेधिकपर्व अध्यायाः १-९६


८९ अश्वमेधपर्व १- ९६
युधिष्ठिरसांत्वनम् १
व्यासवाक्यम् २
संवर्तमरुत्तीयम् ३-१०
वासुदेववाक्यम् ११-१३
हास्तिनापुरप्रवेशः १४
इन्द्रप्रस्थे कृष्णार्जुनयोः सभाविहारः १५
अनुगीता १६-५०
कृष्णद्वारकाप्रस्थानाम् ५१
उत्तङ्कोपाख्यानम् ५२-५७
वासुदेवेन वसुदेवं प्रति युद्धाख्यानम् ५८-६०
वसुदेवेन अभिमन्योः श्राद्धदानम् ६१
पाण्डवानाम् मरुत्तनिधिलाभः ६२-६४
परिक्षित्संजीवनम् ६५-६९
युधिष्ठिरस्य यज्ञदीक्षा ७०-७१
अर्जुनस्य अश्वानुसरणम् ७२-७९
त्रैगर्तविजयः ७३
वज्रदत्तपराजयः ७४-७५
सैन्धवपराजयः ७६-७७
बभ्रुवाहनयुद्धम् ७८-८२
मागधपराजयः ८३
एकलव्यसुतपराजयः ८४
गान्धारपराजयः ८५
यज्ञायतननिर्माणम् ८६
यज्ञसमृद्धिः ८७
अर्जुनप्रत्यागमनम् ८८-८९
यूपोच्छ्रयः ९०
यज्ञसमाप्तिः ९१
नकुलोपाख्यानम् ९१-९६


## ॥ १५ ॥ आश्रमवासिकपर्व अध्यायाः १-४७


९० आश्रमवासपर्व १- ३५
धृतराष्ट्रशुश्रूषा १-३
भीमापनयः ४
धृतराष्ट्रस्य वनगमनसंकल्पः ५-६
व्यासागमनम् ७
व्यासवाक्यम् ८
युधिष्ठिरानुशासनम् ९-१२
धृतराष्ट्रवाक्यम् १३-१६
भीमसेनवाक्यम् १७
अर्जुनयुधिष्ठिरयोः वाक्ये १८
विदुरवाक्यम् १९
श्राद्धयज्ञः २०
धृतराष्ट्रस्य वनगमनम् २१
कुन्तीवाक्यम् २२-२३
धृतराष्ट्रादीनां व्यासाश्रमगमनम् २५
शतयूपप्रश्नः २७
पाण्डवशोकः २८
पाण्डवानां धृतराष्ट्राश्रमाभिगमनम् २९-३१
पाण्डववर्णनम् ३२
विदुरसायुज्यम् ३३
व्यासागमनम् ३४
व्यासवाक्यम् ३५
९१ पुत्रदर्शनपर्व ३६- ४४
कर्णजन्मकथनम् ३८
दुर्योधनादिदर्शनम् ४०-४१
वैशंपायनवाक्यम् ४२
जनमेजयस्य परिक्षिद् दर्शनम् ४३
युधिष्ठिरनिवर्तनम् ४४
९२ नारदागमनपर्व ४५- ४७
धृतराष्ट्रादीनां दावाग्नौ दाहः ४५
युधिष्ठिरशोकः ४६
धृतराष्ट्रश्राद्धकरणम् ४७


## ॥ १६ ॥ मौसलपर्व अध्यायाः १-९


९३ मौसलपर्व १- ९
मुनिशापात्साम्बस्य मुसलप्रसवः २
उत्पातदर्शनम् ३
वृष्ण्यन्धकादिविनाशः ४
रामकृष्णावतारसमाप्तिः ५
अर्जुनागमनम् ६
वसुदेवविलापः ७
वसुदेवनिधनम् । वज्राभिषेकः ८
व्यासार्जुनसमागमः ९

॥ १७ ॥ महाप्रस्थानिकपर्व अध्यायाः १-३

| | | |
|---|---|---|
| १४ | महाप्रस्थानिकपर्व | १- ३ |
| | पाण्डवप्रव्रजनम् | १ |
| | भीमादिपतनम् | २ |
| | इन्द्रयुधिष्ठिरसंवादः | ३ |

॥ १८ ॥ स्वर्गारोहणपर्व अध्यायाः १-५

| | | |
|---|---|---|
| १५ | स्वर्गारोहणपर्व | १- ५ |
| | स्वर्गे नारदवाक्यम् | १ |
| | देवदूतविसर्जनम् | २ |
| | युधिष्ठिरस्वर्गारोहणम् | ३-५ |

**The numbering in the encoded महाभारत lists the main पर्व number ranging from 1 to 18 followed by the अध्याय number followed by the श्लोक number. The secondary पर्व numbers ranging from 1 to 95 are not relevant to the encoding.**